7/4/25

पक्षकारान उपस्थित। प्रार्थी का प्रार्थना पत्र साबित होने के कारण स्वीकार किया जाता है। इस आशय की तहरीर तहसीलदार कानूनगो को जारी हो। मिसिल पृथक से खिलवाया जाकर दा०खि० किया जाए। पत्रावली मौसूल हुआ होकर दर्ज रजिस्टर हो कर हुक्म सुनाया

उपजिलाधिकारी
[illegible] (...) उ०प्र०